

BACHELOR'S DEGREE PROGRAMME

Term-End Examination

December, 2011

ELECTIVE COURSE : PHILOSOPHY-I

BPY-001 : INDIAN PHILOSOPHY

Time : 3 hours

Maximum Marks : 100

-
- Note :** (i) *Answer all questions.*
(ii) *All questions carry equal marks.*
(iii) *Answer to question no. 1 and 2 should be in about 400 words each.*
-

1. Explain the concept of knowledge in the Indian context. 20

OR

Discuss in detail Jain Metaphysics. 20

2. Explain the concept of AUM as enumerated in the Mandukya Upanishad. 20

OR

Describe the practical teachings of Buddhism in the light of four noble truths. 20

3. Answer *any two* of the following in about 200 words each :
- (a) Describe the moral Philosophy of Vidura. 10
 - (b) Write a note on the meaning and classification of the Vedas. 10
 - (c) Briefly explain the epistemology of the Charvakas Philosophy. 10
 - (d) Elucidate the 'Ashtanga Marga' of Buddhism. 10
4. Answer *any four* of the following in about 150 words each.
- (a) What do you understand by 'Dependent Origination' ? 5
 - (b) Describe 'Nishkama Karma'. 5
 - (c) Explain the concept of 'Rta'. 5
 - (d) Differentiate between Henotheism and Monotheism. 5
 - (e) Describe Bhooma Vidya (supreme knowledge). 5
 - (f) Distinguish between Brahmanas and Aranyakas. 5

5. Write short notes on *any five* of the following in about 100 words each :

- | | |
|--------------------|---|
| (a) Saguna Brahman | 4 |
| (b) Prakriti | 4 |
| (c) Brahmacharya | 4 |
| (d) Ayurveda | 4 |
| (e) Aswamedha | 4 |
| (f) Asat Khyati | 4 |
| (g) Pramana | 4 |
| (h) Nirvana | 4 |
-

स्नातक उपाधि कार्यक्रम (दर्शन शास्त्र)

सत्रांत परीक्षा

दिसंबर, 2011

ऐच्छिक पाठ्यक्रम : दर्शन शास्त्र-I

बी.पी.वाई.-001 : भारतीय दर्शन

समय : 3 घण्टे

अधिकतम अंक : 100

नोट : (i) सभी पाँचों प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

(ii) सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

(iii) पहले एवं दूसरे प्रश्नों में प्रत्येक का उत्तर लगभग 400 शब्दों में दीजिए।

1. भारतीय दर्शन के सन्दर्भ में ज्ञान की अवधारणा की विस्तार से 20
व्याख्या कीजिए।

अथवा

जैन दर्शन की तत्त्वमीमांसा का आलोचनात्मक मूल्यांकन कीजिए। 20

2. मण्डूक्य उपनिषद् में प्रस्तुत 'ओम' की अवधारणा का विस्तृत 20
विवरण दीजिए।

अथवा

चार आर्य सत्यों के विशेष सन्दर्भ में बौद्ध दर्शन की व्यावहारिक 20
शिक्षाओं का वर्णन कीजिए।

3. **किन्हीं दो** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 200 शब्दों में होना चाहिए।

- (a) विदूर के नैतिक दर्शन का वर्णन कीजिए। 10
- (b) वेदों के वर्गीकरण एवं अर्थ को लेकर एक विश्लेषण प्रस्तुत कीजिए। 10
- (c) चार्वाक दर्शन की ज्ञानमीमांसा का विवरण दीजिए। 10
- (d) बौद्ध दर्शन के अष्टांग मार्ग की व्याख्या कीजिए। 10

4. **किन्हीं चार** प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 150 शब्दों में होना चाहिए।

- (a) प्रतित्यसमुत्पाद सिद्धांत से आप क्या समझते हैं? 5
- (b) निष्काम कर्म का वर्णन कीजिए। 5
- (c) 'ऋत्' को स्पष्ट कीजिए। 5
- (d) हेनोथीइज्म एवं एकेश्वरवाद के मध्य अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5
- (e) भूमा विद्या (सर्वोच्च ज्ञान) को समझाइये। 5
- (f) 'ब्रह्मण' और 'अरण्यक' का अन्तर स्पष्ट कीजिए। 5

5. **किन्हीं पाँच** पर संक्षिप्त (लगभग 100 शब्द) टिप्पणी लिखिए।

- | | | |
|-----|--------------|---|
| (a) | सगुण ब्रह्मण | 4 |
| (b) | प्रकृति | 4 |
| (c) | ब्रह्मचर्य | 4 |
| (d) | आयुर्वेद | 4 |
| (e) | अश्वमेध यज्ञ | 4 |
| (f) | असत् ख्याति | 4 |
| (g) | प्रमाण | 4 |
| (h) | निर्वाण | 4 |
-